



Ancient Vedic Mantras and Rituals





Magh Purnima 2026 | माघ पूर्णिमा : स्नान, दान, व्रत, पूजा और महत्व | PDF

माघ पूर्णिमा क्या है?

माघ पूर्णिमा हिंदू पंचांग के अनुसार माघ मास की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाने वाली एक अत्यंत पवित्र तिथि है। यह दिन विशेष रूप से गंगा स्नान, दान-पुण्य, व्रत, जप-तप और भगवान विष्णु की आराधना के लिए जाना जाता है। माघ मास को “पवित्र महीनों का राजा” भी कहा गया है, क्योंकि इस महीने में किया गया हर शुभ कर्म कई गुना फल देता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माघ मास में देवता पृथ्वी पर आते हैं और पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। इसी कारण इस दिन संगम, हरिद्वार, काशी, उज्जैन और अन्य तीर्थ स्थलों पर विशेष भीड़ देखने को मिलती है।

माघ पूर्णिमा 2026 की तिथि और शुभ मुहूर्त

1 फरवरी 2026, रविवार की सुबह 5 बजकर 52 मिनट से शुरू होकर 2 फरवरी 2026, सोमवार को सुबह 3 बजकर 38 मिनट तक रहेगी



माघ पूर्णिमा का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

माघ पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और पुण्य संचय का विशेष अवसर है। पुराणों में कहा गया है कि:

- माघ मास में किया गया स्नान जन्म-जन्मांतर के पापों को नष्ट करता है
- इस दिन किया गया दान अक्षय फल देता है
- व्रत और जप से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है
- भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है

यह तिथि विशेष रूप से उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण होती है जो कल्पवास करते हैं। प्रयागराज में माघ मेले और कुंभ क्षेत्र में इसका विशेष धार्मिक महत्व है।

माघ पूर्णिमा स्नान का महत्व

माघ पूर्णिमा पर गंगा, यमुना, सरस्वती या किसी भी पवित्र नदी में स्नान करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है:

“माघ स्नान सहस्र यज्ञ सम फलदायक।”

स्नान के लाभ:

- पापों का नाश
- रोगों से मुक्ति



- मानसिक और आत्मिक शुद्धि
- नकारात्मक ऊर्जा का नाश
- जीवन में सकारात्मकता का संचार

यदि नदी में स्नान संभव न हो, तो घर पर ही स्नान जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करना भी पुण्यकारी माना जाता है।

माघ पूर्णिमा व्रत का महत्व

माघ पूर्णिमा का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस व्रत को करने से:

- विष्णु लोक की प्राप्ति
- जीवन की बाधाओं का नाश
- आर्थिक समस्याओं में कमी
- पारिवारिक सुख-शांति की प्राप्ति
- ग्रह दोषों में शांति

माघ पूर्णिमा व्रत विधि (पूरी प्रक्रिया)

1. प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठें
2. पवित्र नदी या घर पर स्नान करें
3. स्वच्छ और पीले वस्त्र धारण करें
4. व्रत का संकल्प लें
5. भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करें



6. विष्णु सहस्रनाम या नारायण मंत्र का जाप करें
7. दिनभर सात्विक भोजन करें या निर्जल/फलाहार व्रत रखें
8. शाम को दीपदान करें
9. ब्राह्मणों और जरूरतमंदों को भोजन कराएं

माघ पूर्णिमा पर दान का महत्व

माघ पूर्णिमा पर किया गया दान अक्षय पुण्य प्रदान करता है। इस दिन किया गया दान कई जन्मों तक शुभ फल देता है।

माघ पूर्णिमा पर किए जाने वाले प्रमुख दान:

- अन्न दान (चावल, गेहूं, दाल)
- वस्त्र दान
- तिल दान
- गुड़ दान
- कंबल दान (विशेष रूप से सर्दियों में)
- घी और तेल का दान
- दीपदान
- दक्षिणा सहित ब्राह्मण भोजन



माघ पूर्णिमा से जुड़ी पौराणिक कथा (संक्षेप)

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक समय एक गरीब ब्राह्मण ने माघ पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान और दान किया। उसके जीवन में दरिद्रता समाप्त हो गई और उसे भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त हुई। यह कथा इस बात का प्रतीक है कि श्रद्धा और नियम से किया गया कर्म कभी निष्फल नहीं जाता।

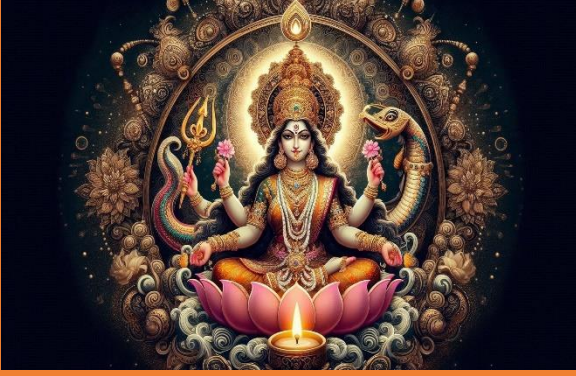
माघ पूर्णिमा के आध्यात्मिक लाभ

- आत्मिक शुद्धि
- कर्मों का शोधन
- पुण्य संचय
- मोक्ष की ओर अग्रसरता
- ईश्वर से निकटता

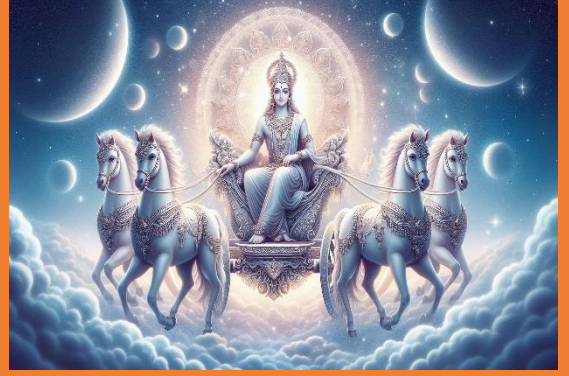
माघ पूर्णिमा एक अत्यंत पावन पर्व है जो मनुष्य को धर्म, कर्म और मोक्ष के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस दिन श्रद्धा, नियम और भक्ति भाव से किया गया स्नान, दान और व्रत जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करता है।



RELATED ARTICLE



[Maa Laxmi Ji Aarti](#)



[Shri Chandra Dev Aarti](#)



THANKS FOR READING



READ MORE RELIGIOUS
CONTENT ON



vedicprayers.com

